



DR. TSERING LANDOL

Dr. Tsering Landol, one of the pioneers of women's health, is the first gynecologist from Leh, Ladakh.

2. Born on 13th October, 1945 in Leh, Dr. Landol joined Government Medical College Srinagar Kashmir in 1966. She obtained MBBS degree in 1972, Post-graduation in Gynae and Obstetrics and MD degree in 1977. She served as a Registrar for 2 years in the same Institution.

3. Dr. Landol joined as Gynecologist in District Hospital Leh, a 20-bedded hospital with basic minimal facilities without regular supply of electricity, running water and proper heating arrangement for severe winter months, in 1979. The only consolation in the hospital at that time, was that, it had committed team of doctors, hospital staff and kind and cooperative administrator to assist. The new district hospital was named as Sonam Norboo Memorial (SNM) Hospital. Within 2 years, Dr. Landol became instrumental in installing solar light in operation theatre, labour room and casualty ward funded by SWRC Tilonia, Rajasthan. With the help of 2 NGOs, she managed to construct Hamaam Heating system in operation theatre and labour room for round the clock heating in winter months which is nonpolluting and safe during anesthetic procedure for operation. This was of great comfort for patients in winter. Now SNM is well equipped with specialists to any district hospital in the country.

4. Dr. Landol has been organizing camps in remotest villages of Leh and Kargil districts, where both antenatal and female problems are screened. Her main emphasis was to educate women - old and young, to generate awareness about importance of small family norms, adolescence and menopause, about nutrition and hygiene. Now an institutional delivery is preferred over home delivery. She has been organizing family planning camps for temporary methods and laparoscopic ligation following careful counselling.

5. Presently, Dr. Landol has been giving free consultation at Ladakh Heart Foundation Hospital once a week and Tibetan Refugee Health Centre once a month for antenatal cases to female of all ages along with Cervical screening once a month for early detection of cervical cancer.

6. Dr. Landol has received various awards and honours including People Service Award for the welfare of doctors and quality health care by Doctor Association of Kashmir in 2003; Peace Women in the world; nominated for Nobel Peace Prize by initiator and president of the association, Member of Swiss Parliament, Member of the Council of Europe; Padma Shri in 2003 conferred by President of India and Lifetime Achievement Award by Shri Mata Vaishnodevi Narayana Institute in 2019.





डॉ. छ़ेरिंग लंडोल

महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी, डॉ. छ़ेरिंग लंडोल, लेह, लद्दाख की पहली स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं।

2. 13 अक्टूबर, 1945 को लेह में जन्मी, डॉ. लंडोल ने 1966 में सरकारी मेडिकल कॉलेज श्रीनगर, कश्मीर में दाखिला लिया। उन्होंने 1972 में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की और 1977 में स्त्री और प्रसूति रोग में स्नातकोत्तर और एमडी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने इसी संस्थान में दो वर्ष तक बतौर रजिस्ट्रार कार्य किया।

3. डॉ. लंडोल ने 1979 में लेह के जिला अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में कार्यभार संभाला। उस दौरान इस 20 बिस्तरों वाले अस्पताल में बिजली–पानी की नियमित आपूर्ति नहीं थी और कंपा देने वाली सर्दियों में हीटिंग सिस्टम का भी अभाव था। अस्पताल का केवल एक ही सकारात्मक पहलू, समर्पित डॉक्टरों व कर्मचारियों की टीम तथा सहयोगी और सहृदयपूर्ण प्रशासक थे। नए जिला अस्पताल को सोनम नोरबू मेमोरियल (एसएनएम) अस्पताल का नाम दिया गया। 2 वर्ष के भीतर, डॉ. लंडोल ने एसडब्ल्यूआरसी तिलोनिया, राजस्थान द्वारा दी गई धनराशि से ऑपरेशन थियेटर, लेबर रूम और कैजुअल्टी वार्ड में सोलर लाइट लगवाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो एन.जी.ओ. की मदद से, सर्दियों के दौरान ऑपरेशन थियेटर और लेबर रूम को चौबीसों घंटे गर्म रखने के लिए हमाम हीटिंग सिस्टम का निर्माण कराया। इससे ऑपरेशन के लिए एनेस्थिसिया देने की प्रक्रिया प्रदूषण रहित और सुरक्षित हो गई। इस सुविधा से रोगियों को ठंड से काफी राहत मिली। अब सोनम नोरबू मेमोरियल अस्पताल में देश में किसी भी जिला अस्पताल की तरह विशेषज्ञ मौजूद हैं और यह सभी सुविधाओं से युक्त है।

4. डॉ. लंडोल लेह और कारगिल जिलों के दूरदराज गांवों में शिविरों का आयोजन करती हैं। इन शिविरों में, प्रसवपूर्व और स्त्री रोगों की जांच की जाती है। उनका मुख्य जोर बड़ी और छोटी उम्र की महिलाओं को शिक्षित बनाना तथा छोटे परिवार के महत्व, किशोरावस्था और रजोनिवृत्ति, पोषण और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अब घर की बजाय अस्पताल में प्रसव करवाना पसंद किया जाता है। वह अस्थायी तरीकों पर और परामर्श के बाद लैप्रोस्कोपिक नसंबदी के लिए परिवार नियोजन शिविरों का आयोजन करती रही हैं।

5. वर्तमान में, डॉ. लंडोल लद्दाख हार्ट फाउंडेशन अस्पताल में सप्ताह में एक बार और तिब्बती रिफ्यूजी हेल्थ सेंटर में महीने में एक बार सभी उम्र की महिलाओं के लिए प्रसवपूर्व मामलों पर मुफ्त परामर्श दे रही हैं तथा शुरुआत में ही सर्वाइकल कैंसर की पहचान के लिए महीने में एक बार सर्वाइकल की जांच करती हैं।

6. डॉ. लंडोल को विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें 2003 में डॉक्टर एसोसिएशन ऑफ कश्मीर द्वारा डॉक्टरों के कल्याण और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए पीपुल्स सर्विस अवार्ड; पीस वीमेन इन द वर्ल्ड; एसोसिएशन के सर्जक और अध्यक्ष, स्विस संसद सदस्य, यूरोप परिषद के सदस्य द्वारा नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करना; 2003 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्म श्री तथा 2019 में श्री माता वैष्णोदेवी नारायण संस्थान द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड शामिल हैं।